

स्पर्शम् st. सुखास्पर्शम्. — 19. b. स्त्रीमत्तम् st. श्रीमत्तम्. — 32. b. प्रुभा
st. प्रुभाम्. — XXII. 9. b. अस्य च st. अयस्य. — 10. a. अथ st. अथो. —
19. b. भृशं बाला (vgl. XVII. 37. b.) st. दिवारात्रम्. — 20. a. शेकेन
st. दुष्वेन. — 21. a. तस्य st. तस्यास्. — 25. a. एव (vgl. XVIII. 9. a.)
st. अपि — XXIII. 4. b. und 6. b. दैवमानुषम् (so ist zu lesen) st.
वै तमानुषम् — 11. b. समादधत् st. समादधात्. — 18. b. प्रृतम् st
श्रितम्. — XXIV. 10. a. पूर्वं दृष्टम् st. पूर्वदृष्टम्. — 13. a. अप्राहाय
(so ist zu lesen) st. अपन्हाय. — 14. a. b. तु st. च — 14. b. भविष्यामि st.
भविष्यामि. — 30. b. एतदेवास् st. एते वाद्य. — 40. b. निःशस्यास st.
निशस्यास. — 42. b. वैदर्भीजननी st. वैदर्भ्या जननी. — XXV. 5. a.
पुष्याद्यास् st. पुष्याद्यास्. — 7. a. नलम् st. नलत्. — XXVI. 8. a. द्यूतं
त्वम् st. त्वं द्यूतम् — 21. b. च st. तु. — 22. a. दोषम् st. कोपम्. —
24. a. चापि st. चैव. — 24. b. शरदस् st. शरदाम्. — 32. a. तु पुरे st.
पुष्करे.

II. VIÇVĀMITRA'S KAMPF UM DIE BRAHMANENWÜRDE.

Erzähler : Çatananda, Opferpriester des G'anaka, Königs von
Mithila; Zuhörer : Rāma.

KAPITEL I.

Str. 3. Gorresio: विश्वामित्रस्तु पालयन्नेदिनीमिमं ।

वर्षायुतान्यनेकानि राजा राज्यमकारयत् ॥

Str. 5. a. ist aus folgenden zwei Versen bei Schl. entstanden :

नगराणि च राष्ट्राणि सरितश्च महगिरोन् ।

आश्रमान्क्रमशो राजा विश्वनाजगाम ह ॥